PAPER-III
VISUAL ARTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

D 7 9 1 1

Time : 2 $^{1}/_{2}$ hours]   [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32**   Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

TheoryMaster

VISUAL ARTS
दृश्य कलाएँ

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred** (200) marks containing **four** (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

Theory Maste

SECTION – I
खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. (a) Critically explain the characteristics of Baroque Painting with reference to Peter Paul Rubens.
पीटर पॉल रूबेन्स के संदर्भ में बरोक चित्रकारी की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

(b) Discuss with examples the difference between Classical Art of India and the West with reference to their characteristic features.
भारत की और पश्चिम की शास्त्रीय कला के बीच उनकी मुख्य विशेषताओं के संदर्भ में अन्तर की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

(c) Discuss the development of Sculpture during 19th and 20th Century Indian Art with special reference to various art movements.
विभिन्न कला आन्दोलनों के विशेष संदर्भ में 19वीं तथा 20वीं शताब्दी की भारतीय कला में मूर्ति कला के विकास की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

(d) Discuss with thumbnail, the development of Conceptual 'Poster Art' form in Poland. Name a few artists and their revolutionary poster design from Poland, Cuba, Japan and America.
पोलैंड में प्रत्ययात्मक 'पोस्टर कला' के विकास की थंबनेल के साथ विवेचना कीजिए । पोलैंड, क्यूबा, जापान और अमेरिका के कुछ कलाकारों का नाम व उनके क्रान्तिकारी पोस्टर डिजाइन के बारे में बताइये ।

OR / अथवा

(e) Discuss critically the work of any two leading contemporary Printmakers of India.
भारत के किन्हीं दो अग्रणी समकालीन प्रिंटमैकरों के कार्य की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए ।

Theory Mast

2. (a) Discuss the origin and development of Buddhist "Stupa" Architecture.
बौद्ध स्तूप स्थापत्य के उद्‌भव तथा विकास की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

(b) Compare the stylistic features of 'Pala' and 'Jain' manuscript painting.
पाल और जैन पाण्डुलिपि चित्रकारी की शैलीगत विशेषताओं की तुलना कीजिए ।

OR / अथवा

(c) Define 'Constructivism'. Write in detail about the leading sculptor of this movement.
संरचनावाद को परिभाषित करें । इस आन्दोलन के प्रमुख मूर्तिकार के बारे में विस्तार से लिखिए ।

OR / अथवा

(d) Discuss the anatomy of Type faces with reference to their two major board-grouping or basic classifications, though there are millions of typefaces.
यद्यपि कई मिलियन टाईप फेसिस विद्यमान हैं, टाईप फेसिस के दो मुख्य व्यापक समूहों या मूलभूत वर्गीकरणों के संदर्भ में उनकी शरीर रचना की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

(e) Illustrate the latest techniques of Graphic Arts.
ग्राफिक आर्टस् (कला) की आधुनिक तकनीक को उदाहरण देकर समझाइये ।

Theory Mast

Theory Mast

Theory Mast

SECTION – II

खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions. From each of the electives/specializations the candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / विकल्प – I
History of Art
कला का इतिहास

3. Discuss in brief the types of Art Criticism.
कला आलोचना के प्रकारों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए ।

4. Trace the evolution of Gupta Temple Architecture.
गुप्तकालीन मंदिर स्थापत्य के उद्विकास के बारे में बताइये ।

5. What do you understand by the term 'Mediaeval Elements' in Indian Sculpture.
भारतीय मूर्तिकला में "मध्यकालीन तत्त्वों" के शब्द से आप क्या समझते हैं ?

Elective – II / विकल्प – II
Drawing & Painting
रेखाचित्र और चित्रकारी

3. Evaluate critically the contribution of high Renaissance art of Italy.
इटली की उच्च पुनर्जागरण कला के योगदान का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

4. Comment on Indian Modern painters who have been inspired by the indigenous Art.
देशीय कला से जिन भारतीय आधुनिक चित्रकारों ने प्रेरणा प्राप्त की है उन पर टिप्पणी कीजिए ।

5. Evaluate the impact of Art Mart and Global Marketing of Indian Contemporary Art.
भारतीय समकालीन कला के वैश्विक विपणन और 'आर्ट मार्ट' के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए ।

Elective – III / विकल्प – III
Sculpture
मूर्तिकला

3. 'Indianness' in Indian Sculpture has been a debatable topic. Explain with references.
भारतीय मूर्तिकला में "भारतीयता" विवादास्पद विषय है । ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

4. Mixed Media played an important role in contemporary sculpture. Give an account of your observations.
समकालीन मूर्तिकला में मिश्रित माध्यम ने प्रमुख भूमिका निभाई है । आप अपने अनुभवों का विवरण दीजिए ।

5. Bronze Casting is an ancient Indian technique of Sculpture. Explain the technique with the help of diagrams.
ताँबा ढलाई मूर्तिकला की प्राचीन भारतीय तकनीक है । आरेखों की सहायता से इस तकनीक की व्याख्या कीजिए ।

Elective – IV / विकल्प – IV
Print Making
छापा-चित्रण

3. What is the significance of an "Artist's Proof" in Print Making. Discuss characteristics of some of the well-known painters and their prints.
प्रिंट मैकिंग में "कलाकार के प्रमाण" (आर्टिस्ट्स प्रूफ) का क्या महत्त्व है ? कुछ सुप्रसिद्ध चित्रकारों और उनके प्रिंट्स की विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

4. Give an account of Print Biennale held in Bharat Bhawan, Bhopal.
भारत भवन, भोपाल में आयोजित प्रिंट द्विवार्षिकी का विवरण दीजिए ।

5. Lithography, in fact, had been a historical legacy in its origin and development – Discuss.
'लिथोग्राफी अपने उद्‌भव और विकास में, वास्तव में एक ऐतिहासिक विरासत रही है ।' – चर्चा कीजिए ।

Elective – V / विकल्प – V
Applied Art
व्यवहारिक कला

3. Pugmarks or footprint were the 'signs' with which begun the history of Human communication- Discuss.
'पग मार्कस् अथवा पद चिह्न एक प्रकार के चिह्न थे जिससे मानवीय संप्रेषण का इतिहास प्रारम्भ हुआ ।' – चर्चा कीजिए ।

4. Discuss the five topmost popular campaigns by Indian Ad Agencies.
भारतीय विज्ञापन एजेंसियों के पाँच सर्वप्रमुख लोकप्रिय अभियानों की चर्चा कीजिए ।

5. Discuss and differentiate the analogous and digital Animation techniques.
अनुरूप तथा डिजिटल एनीमेशन तकनीकों की चर्चा कीजिए तथा उनमें अन्तर कीजिए ।

Theory Mast

Theory Mast

Theory Master

Theory Mast

Theory Master

Theory Mast

Theory Mast

SECTION – III
खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered compulsorily in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What is intuition ?
अंत: प्रज्ञा क्या है ?

Theory Master

7. Write about the concept of Mughal Garden.
मुगल गार्डन की अवधारणा के बारे में लिखिए ।

Theory Mast

8. What is Pointillism ?
बिन्दुवाद क्या है ?

9. What is Investment Mould in metal casting ?
धातु गढ़ाई में इनवेस्टमेंट मोल्ड क्या है ?

Theory Mast

10. What is Oleograph ?
ऑलियोग्राफ क्या है ?

11. Describe 'Farther Eye'.
'परली आँख' की व्याख्या कीजिए ।

12. What is 'X-height' in typography ?
टाईपोग्राफी में एक्स-हाईट क्या है ?

Theory Master

13. What is 'Decisive Moment' in photography ?
फोटोग्राफी में डिसाइसिव मोमेन्ट क्या है ?

Theory Mast

14. What is 'Dry Point' ?
'ड्राइ पॉइन्ट' क्या है ?

Theory Mast

SECTION – IV
खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

An enquiry into the relationship of Indian art and Indian religion can go a long way to clarify the special features of both. That such a relationship exists has never been in dispute. Even the early European scholars of the Indian art and religious scenes, who had no great sympathy for either, recognised that traditional Indian art grew round religious institutions or religious practices or was deeply coloured by certain basic religious notions. This was the only way they could explain to themselves its strange and complicated imagery. Later scholars, both Indian and foreign who had greater sympathy and understanding for the scene, slightly dramatized the relationship and tried to construe all manifestations of Indian art as iconic or diagrammatic representation of religious concepts. Today we may not agree wholly with all their views. But even today, if we scan the complete spectrum of art activity in this country, of which the sophisticated urban manifestations are only a small part, it (relationship) still persists.

What we call Indian art falls into many strata. At the bottom we see its simplest forms like household decoration and ritual design and close above these various categories of folk art relating to the embellishment of textiles and costume, to the making of toys, fabrication or ritual effigies, even setting up of small shrines. These are what we may call non-professional arts, practised mostly by men and women in their homes.

Similarly Indian religious practice also falls into many strata of lesser or greater sophistication. Taking modes of worship, we see, among the earliest, nature worship of ocean, sun, moon, and stars, animistic worship of trees, stones, rivers and animals, including the bull, cow, monkey, snake, and eagle, to name a few. Above these come the worship of totemic composites, man-lion, man-elephant, man-boar, man-eagle, man-horse etc., and again above these the worship of deified folk heroes, kings and holy men.

Similarly we can read strata in personal religious attitudes too. There are types of personal devotion to a god-head cast into definite psychological modes, maternal, filial, menial, romantic and erotic. Above these we may place monistic abstraction resulting in an inworship of the human-essence or 'atma' through abstract meditation. There are, besides these, various kinds of asceticism, both physical and mental, and above all, the much discussed Yoga, which involves a cybernetic vision of the human personality and an effort to rouse it into supernal illumination or beatitude through various physical and mental exercises.

भारतीय कला और भारतीय धर्म के परस्पर संबंध को स्पष्ट करने के लिए उनकी मुख्य-मुख्य विशेषताएँ बताने से यह चर्चा लंबी हो सकती है । उनका आपस में संबंध है, यह बात कभी भी विवाद का विषय नहीं रही है । भारतीय कला और धार्मिक परिदृश्यों के प्राचीन विद्वानों ने, जो दोनों में से किसी के प्रति भी कोई गहरी सहानुभूति नहीं रखते थे, यह स्वीकार किया कि पारंपरिक भारतीय कला धार्मिक संख्याओं या धार्मिक व्यवहारों के इर्द-गिर्द विकसित हुई या कुछ मूलभूत धार्मिक धारणाओं से काफी प्रभावित हुई । यही एक तरीका था, जिससे वे स्वयं उसकी विचित्र एवं जटिल कल्पना कर सकते थे । बाद के उन भारतीय और विदेशी विद्वान दोनों ने, जो इस परिदृश्य के प्रति अधिक सहानुभूति और समझ रखते थे, इस संबंध को थोड़ा नाटकीय बना दिया और मूर्ति या रेखा-चित्रों के रूप में धार्मिक संकल्पनाओं के माध्यम से भारतीय कला को सभी अभिव्यक्तियाँ देने का प्रयास किया है । भले ही आज हम उनके सभी दृष्टिकोणों से पूर्णत: सहमत न हों, लेकिन आज भी यदि हम इस देश के कला संबंधी क्रियाकलापों के संपूर्ण परिदृश्य को देखें तो हम पाएँगे कि यह संबंध अभी भी विद्यमान है । अति आधुनिक शहरी अभिव्यक्ति इसका एक छोटा सा भाग है ।

हम जिसे भारतीय कला कहते हैं, उसके कई स्तर हैं । उसके निचले स्तर पर हमें उसके सरलतम रूप जैसे घर की सजावट और अनुष्ठान संबंधी अभिकल्प देखने को मिलते हैं और उसके ठीक ऊपर वस्त्रों एवं पोषाकों की सजावट से संबंधित लोक कला के विभिन्न रूप । इनके ठीक ऊपर खिलौने बनाने, अनुष्ठान संबंधी पुतले बनाने, छोटे पवित्र-स्थलों की स्थापना देखने को मिलते हैं । ये सब गैर-व्यावसायिक कलाओं की श्रेणी में आते हैं, जिन्हें पुरुष और महिलाओं द्वारा प्राय: अपने घर में बनाने का चलन है ।

इसी प्रकार भारतीय धार्मिक व्यवहार भी प्राय: थोड़ा-बहुत परिष्कृत रूपों में देखने को मिलते हैं । पूजा के तरीकों को देखने पर हम पाते हैं कि शुरू-शुरू में समुद्र, सूर्य, चंद्र और तारों का प्रकृति पूजन, वृक्षों, पत्थरों, नदियों और बैल, गाय, बंदर, सांप तथा बाज आदि प्राणियों की जीवधारी पूजा देखने को मिलती है । इसके ऊपर युग्मों यथा नर-सिंह, नर-हस्ति, नर-शूकर, नर-गरुड़, नर-अश्व आदि आते हैं । इनके ऊपर देवत्व प्राप्त लोक नायक, राजा और पवित्र-मानव की पूजा की जाती है ।

इसी प्रकार हम व्यक्तिगत धार्मिक अभिवृत्तियों में भी स्तरों का अध्ययन कर सकते हैं । ये व्यक्तिगत भक्ति के प्रकार हैं जैसे निश्चित मनोवैज्ञानिक रूपों, मातृ, संतानीय, सेवक, रोमांचकारी और कामुक रूपों में गढ़े देव-शीर्षों की पूजा । इनके ऊपर हम एकात्मक अमूर्तता को रख सकते हैं, जिसमें अमूर्त ध्यान के जरिए मानवीय सार या आत्मा की पूजा होती है । इनके अलावा पति-धर्म के विभिन्न प्रकार हैं, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों ही शामिल हैं और सबसे ऊपर, बहु-चर्चित योग आता है, जो मानव व्यक्तित्व की साइबरनेटिक कल्पना से जुड़ा है और विभिन्न शारीरिक और मानसिक व्यायामों के जरिए आदि दैनिक प्रदीपन अथवा ब्यूटीट्यूड (सौंदर्य) में इसे उठाने की कोशिश से जुड़ा है ।

15. How did the roots and relationship of Art and Religion in India grow into an undifferentiated manifestation according to the scholars ?
विद्वानों के अनुसार, भारत में कला और धर्म की जड़ें और सम्बन्ध किस प्रकार अभिन्न अभिव्यक्ति में विकसित हुए ?

Theory Master

16. Discuss the multi-layered identity of Indian Art.
भारतीय कला की बहु-स्तरीय 'अस्मिता' की विवेचना कीजिए ।

17. What are the types of personal religious modes of worship in India ?
भारत में पूजा की वैयक्तिक धार्मिक विधियों के प्रकार कौन-कौन से हैं ?

Theory Mast

18. Exemplify a few totemic composition in Indian religious practice.
भारतीय धार्मिक प्रथा में कुछ जादुई युग्मों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

19. How does 'Yoga' become a much discussed kind of Ascetism ?
किस प्रकार 'योग' यति धर्म का बहु-चर्चित प्रकार बन गया है ?

Theory Master

Space For Rough Work

Theory Maste

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....

Theory Master